भौगोलिक अजायबघर
(THE GEOGRAPHICAL MUSEUM)

भूगोल-अजायबघर भूगोल-कक्ष का ही भाग होना चाहिए। इससे कई लाभ हैं। चूँकि यह स्वयं ही एक शिक्षण-साधन है, अत: अपने में ही इसे शिक्षा-संस्था पुकारना अनुचित नहीं होगा। यह केवल विशेष तथा दिलचस्प चीजों के संकलन का ही स्थान नहीं है, बल्कि महत्त्वपूर्ण शिक्षा का साधन भी है।

Scanned with CamScanner

यह छात्रों के कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठों तथा उनके दैनिक जीवन में निकटतम सम्बन्ध स्थापित करता है। अजायबघर के लिए छात्रों द्वारा चीजें एकत्रित करना उन्हें मनोरंजित करता है। यह स्वस्थ मनोरंजन का साधन है और छात्रों को प्रकृति के सीधे सम्पर्क में ले जाता है।

यह अजायबघर छात्रों के एकत्रित करने की स्वाभाविक प्रवृत्ति को सन्तुष्ट करने का उत्तम साधन है। जब छात्र अजायबघर में वस्तुएँ स्वयं देखते हैं तो उन्हीं वस्तुओं तथा विषयों के बारे में और भी सूचना पाने का प्रयत्न करते हैं और उनकी रुचि तथा दिलचस्पी उन वस्तुओं के विषय में और भी बढ़ जाती है। उनकी निरीक्षण-शक्ति और साधारण वस्तुओं का ज्ञान और बढ़ जाता है।

भूगोल-अजायबघर में छात्र स्वयं ही वस्तुएँ तैयार करते हैं, एकत्रित करते हैं। यह छात्रों के लिए अभिमान की बात रहती है, उन्हें आत्म-सन्तोष होता है और दूसरे छात्र भी इन कार्यों के लिए प्रोत्साहित होते रहते हैं।

भौगोलिक अजायबघर की सामग्री

(1) भौगोलिक तस्वीरें जिनमें विभिन्न देशों के लोगों का जीवन संसार के दूसरे भागों में दिखाया गया हो।

(2) चिकनी मिट्टी के मॉडल बच्चों द्वारा बनाये हुए या बनाकर खरीदे हुए, लोगों का जीवन दूसरे देशों में दिखाते हुए या भौगोलिक क्रियाओं को प्रदर्शित करते हुए।

(3) स्थानीय बनी हुई वस्तुएँ, कपड़े, बर्तन, लकड़ी तथा धातु की बनी हुई वस्तुएँ, टोकरी तथा पेंटिंग की हुई वस्तुएँ।

(4) कृषि सम्बन्धी फसलों के नमूने, चावल, ज्वार, बाजरा, गेहूँ, मटर, तिलहन तथा रेशेदार फसलें।

(5) विभिन्न प्रकार की चट्टानें, पत्थर तथा खनिज-पदार्थ।

(6) दूसरे देशों के स्टाम्प तथा सिक्के।

सामान्य रूप से उन्हीं चीजों को चुनना चाहिए, जिनका बच्चों के जीवन में महत्त्व तथा सार्थकता हो। चीजों के एकत्रित करने का सबसे उत्तम समय वह है, जब वे भौगोलिक यात्राओं के लिए जायें। बच्चों का कार्य-विभाजन कर देना चाहिए। छात्र विभिन्न प्रकार की चीजें एकत्रित करके टोलियों में बाँट दिये जायें। प्राकृतिक भूगोल सम्बन्धी चित्र तथा विभिन्न प्रकार की लकड़ी, चट्टानें, खनिज-पदार्थ आदि एकत्रित किये जा सकते हैं।

अजायबघर कक्षा के प्रत्येक छात्र की पहुँच के भीतर होना चाहिए।

भौगोलिक अजायबघर केवल शिक्षक का ही उत्तरदायित्व नहीं है, बल्कि प्रत्येक छात्र तथा शिक्षक का सम्मिलित उत्तरदायित्व है और प्रत्येक को इसमें व्यक्तिगत रुचि लेनी चाहिए। शिक्षक को छात्रों की एक कमेटी बना देनी चाहिए जो इसको सुरक्षित रख सके। इसकी समय-समय पर सफाई होनी चाहिए और वस्तुओं को ठीक प्रकार सजाकर रखते रहना चाहिए।

विद्यालय का यह स्थायी अंग होना चाहिए, क्योंकि छात्रों के लिए मनोरंजन, शिक्षा तथा लाभ का साधन है।

Scanned with CamScanner

भूगोल पुस्तकालय

भूगोल पुस्तकालय का उचित स्थान भूगोल-कक्ष ही है। यह आवश्यक है कि कहीं पर कुछ स्थान इसे दे देना चाहिए जिससे उच्च कक्षाओं के छात्र Reference Book आदि से सहायता ले सकें तथा यात्रा, अन्वेषण, खोज आदि की कहानियाँ उच्च कक्षाओं के छात्र उपयोग कर सकें। इस प्रकार के पुस्तकालय का उद्देश्य छात्रों में स्वतन्त्र अध्ययन की प्रवृत्ति का विकास करना है और यह तभी हो सकता है, जबकि वहाँ आकर्षक और अच्छी प्रकार की पुस्तकें हों। 11 वर्ष के बच्चों की रुचि बहुधा यात्रा, खोज करने वाले साहसी यात्रियों की कहानियों में होती है; जैसे—लिविंगस्टन, शैकल्टिन और स्कॉट आदि साहसी व्यक्ति। इस प्रकार की पुस्तकों की आजकल बहुत माँग है। यह स्पष्ट है कि पुस्तकालय में आवश्यकता पड़ने वाली पुस्तकें छात्रों के मानसिक स्तर पर निर्भर रहेंगी। पुस्तकालय के सामान्य सैक्सन में हर एक विभाग के लिए अलग शैल्फ रखनी चाहिए।

सैट नं. 1. संसार के भूगोल के सिद्धान्त—प्राकृतिक भूगोल, जलवायु, ऋतु, नक्शे पढ़ना, सर्वे-माप, पौधे, पशु और मानव, राजनैतिक, आर्थिक भूगोल।

सैट नं. 2. एशिया, आस्ट्रेलिया और यूरोप पर पुस्तकें।

सैट नं. 3. भारत तथा निकट के देशों के विषय में भौगोलिक पुस्तकें।

सैट नं. 4. उत्तरी तथा दक्षिणी अमेरिका तथा ध्रुवीय प्रदेश की खरीदी पुस्तकें। शिक्षक को चाहिए कि छात्रों का पुस्तकें पढ़ने में मार्गदर्शन करे और छात्रों को अच्छी भौगोलिक पुस्तकों के अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करे तथा उनमें स्वतन्त्र अध्ययन की प्रवृत्ति जाग्रत करे। समय-समय पर छात्रों का परामर्श भी लें कि उन्हें किन पुस्तकों की आवश्यकता है जिन्हें पुस्तकालय में मँगाया जाय।

छात्रों को स्वाध्याय तथा स्वतन्त्र अध्ययन का आनन्द लेने देना चाहिए। पुस्तकालय के नियम होने चाहिए। पुस्तकें कब लेनी हैं, कब वापस करनी हैं इत्यादि। इस प्रकार छात्रों में पुस्तकालय-प्रयोग की अच्छी आदतों का विकास होगा। इस प्रकार भौगोलिक पुस्तकालय भौगोलिक ज्ञान-वृद्धि के लिए अत्यावश्यक है और प्रत्येक विद्यालय का महत्त्वपूर्ण अंग माना जाना चाहिए। कुछ पुस्तकें Open-Shelf में रखनी चाहिए।

अध्यापक के व्यक्तिगत पुस्तकालय में कुछ पुस्तकें शिक्षण-विधि पर होनी चाहिए। पुस्तकालय में नवीन पुस्तकों का लगातार समावेश होते रहना चाहिए।

Scanned with CamScanner